>

Title: Need to constitute Narmada River Development Authority.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): नर्मदा नदी मध्य प्रदेश की एक महत्वपूर्ण और सबसे बड़ी नदी है। आदिकाल से ही प्राचीन ग्रंथों में भी इसको पूजनीय कहा गया है। बहुत बड़ी तादाद में लोगों की आस्थाएं एवं धार्मिक भावनाएं इससे जुड़े होने के कारण कई छोटे और बड़े तीर्थ स्थल भी इसके किनारे बसे हुए हैं। वर्तमान में भी अनेक जल विद्युत परियोजनाएं, सिंचाई नहरें इस नदी के माध्यम से चल रही है और लाखों लोगों को जीवन प्रदान कर रही है जिसके कारण इसे मध्य प्रदेश की जीवन रेखा कहा जाता है।

इन सबके चलते इस नदी के संरक्षण तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को चलने में एक राष्ट्रीय नर्मदा नदी विकास प्राधिकरण अथवा कोई स्वायत संस्था का गठन करना अति आवश्यक है। स्मरण रहे कि गंगा नदी के लिए इसी प्रकार का एक विकास प्राधिकरण देश में कार्य कर रहा है। इस प्राधिकरण के गठन से कई प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से अमल में लाए जा सकेंगे। धार्मिक महत्व होने से घरेलू एवं तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और राजस्व कर बढ़ने के साथ बहुत सारे लोग प्रत्यक्ष और अपरोक्ष रोजगार से जुड़ेंगे।